करियर शीट · CAREER SHEET

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा (आई.ए. एंड ए.एस.)

Indian Audit and Accounts Service (IA&AS)

7 सितंबर 2026

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा उस संस्था की अधिकारी-सेवा है जो संविधान के अधीन यह जाँचती है कि सरकार ने जनता का पैसा कहाँ और कैसे ख़र्च किया। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक — कैग — किसी मंत्रालय के अधीन नहीं है; वह संसद के प्रति...

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा उस संस्था की अधिकारी-सेवा है जो संविधान के अधीन यह जाँचती है कि सरकार ने जनता का पैसा कहाँ और कैसे ख़र्च किया। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक — कैग — किसी मंत्रालय के अधीन नहीं है; वह संसद के प्रति उत्तरदायी है, और उसकी रिपोर्टें सदन के पटल पर रखी जाती हैं। इस सेवा का अधिकारी केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और सार्वजनिक उपक्रमों के खातों की लेखा परीक्षा करता है और यह बताता है कि योजना का पैसा वहाँ पहुँचा या नहीं जहाँ पहुँचना था। चयन सिविल सेवा परीक्षा से होता है और प्रवेश-वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के बराबर — ₹56,100 मूल — है। प्रशिक्षण शिमला की राष्ट्रीय लेखा परीक्षा एवं लेखा अकादमी में होता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि, किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से। विषय की कोई बाध्यता नहीं। अंतिम वर्ष के अभ्यर्थी भी लिखित परीक्षा में बैठ सकते हैं
विभाग	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) का कार्यालय
चयन परीक्षा	संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा (प्रारंभिक + मुख्य + साक्षात्कार) — वही परीक्षा जो भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए है
आयु सीमा	21 से 32 वर्ष (1 अगस्त 2026 को); अनुसूचित जाति/जनजाति को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग को 3 वर्ष की छूट
आरंभिक वेतन	₹56,100 प्रति माह (सातवें वेतन आयोग का वेतन स्तर 10), भत्तों को छोड़कर — भारतीय प्रशासनिक सेवा के बराबर
प्रशिक्षण	राष्ट्रीय लेखा परीक्षा एवं लेखा अकादमी, शिमला; उससे पहले लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में साझा आधारभूत पाठ्यक्रम

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- सार्वजनिक सेवा और सरकार के काम-काज में रुचि
- नियम, अभिलेख और आँकड़े पढ़कर निष्कर्ष निकालना

- लंबी और अनुशासित तैयारी टिकाने की इच्छा

क्षमताएँ

- शाब्दिक योग्यता — मुख्य परीक्षा पूरी तरह वर्णनात्मक है और निबंध का अलग प्रश्न-पत्र है
- संख्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक योग्यता, जो लेखा परीक्षा के काम में प्रतिदिन लगती है
- तार्किक योग्यता — प्रारंभिक परीक्षा का दूसरा प्रश्न-पत्र इसी की परीक्षा है

ज़रूरी कौशल

- केंद्र, राज्यों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के खातों की लेखा परीक्षा; निष्पादन लेखा परीक्षा, जिसमें यह देखा जाता है कि योजना ने अपना उद्देश्य पाया या नहीं; और संसद तथा विधानसभाओं के लिए रिपोर्ट तैयार करना
- रिपोर्ट एवं टिप्पणी-लेखन, हिंदी तथा अंग्रेज़ी दोनों में
- सरकारी नियमों एवं वित्तीय प्रक्रियाओं की समझ
- टीम एवं कार्यालय का प्रबंधन

4 कैसे पहुँचें

1. किसी भी विषय में स्नातक करें — कला, वाणिज्य, विज्ञान, कृषि, अभियांत्रिकी, किसी से भी। सिविल सेवा परीक्षा विषय नहीं पूछती, उपाधि पूछती है।
2. स्नातक के दौरान ही समाचार-पत्र पढ़ने और लिखने का अभ्यास आरंभ करें। मुख्य परीक्षा पूरी तरह वर्णनात्मक है, इसलिए लिखने की आदत जितनी जल्दी बने उतना अच्छा।
3. आवेदन में सेवाओं का वरीयता-क्रम सोच-समझकर भरें — यही क्रम, आपके मेधा-क्रम के साथ मिलकर, तय करता है कि कौन-सी सेवा मिलेगी।
4. राजस्थान के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, ई.डब्ल्यू.एस. एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत यू.पी.एस.सी. की निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध है। आवेदन एस.एस.ओ. पोर्टल से होता है।
5. प्रयास सीमित हैं, इसलिए पहला प्रयास तब कीजिए जब तैयारी वास्तव में हो — पर इतना देर भी नहीं कि आयु-सीमा पास आ जाए।

प्रमुख परीक्षाएँ

- चयन संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा से होता है — वही परीक्षा जिससे भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय विदेश सेवा में चयन होता है। तीन चरण हैं: प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार। अलग से कोई परीक्षा नहीं देनी होती; एक ही परीक्षा से तेईस सेवाओं में चयन होता है और सेवा का आवंटन मेधा-क्रम तथा अभ्यर्थी की वरीयता से तय होता है।
- आयु-सीमा 21 से 32 वर्ष है, 1 अगस्त 2026 को (अर्थात जन्म 2 अगस्त 1994 से पहले और 1 अगस्त 2005 के बाद का न हो)। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को 5 वर्ष तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को 3 वर्ष की छूट मिलती है। योग्यता किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि है — विषय की कोई बाध्यता नहीं। जो अभ्यर्थी अंतिम वर्ष में है और परिणाम की प्रतीक्षा कर रहा है, वह भी लिखित परीक्षा में बैठ सकता है।
- चयन के बाद प्रशिक्षण राष्ट्रीय लेखा परीक्षा एवं लेखा अकादमी, शिमला में होता है। सभी सेवाओं के परिवीक्षाधीन अधिकारी आरंभ में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में एक साझा आधारभूत पाठ्यक्रम भी करते हैं, जिसके बाद वे अपनी-अपनी सेवा की अकादमी में जाते हैं।
- यही बात इस राह की सबसे व्यावहारिक बात भी है, और उसे आरंभ में ही समझ लेना चाहिए: आप इस सेवा के लिए अलग से आवेदन नहीं करते। आप सिविल सेवा परीक्षा देते हैं और आवेदन में सेवाओं का वरीयता-क्रम भरते हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए आवश्यक मेधा-क्रम सबसे ऊँचा रहता है; भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा (आई.ए. एंड ए.एस.) उससे नीचे के क्रम पर मिल जाती है। इसका अर्थ यह है कि एक ही तैयारी से कई सेवाएँ खुलती हैं — और जो विद्यार्थी केवल भारतीय प्रशासनिक सेवा को लक्ष्य मानकर बाकी सबको असफलता समझता है, वह अपने ही परिश्रम का मूल्य कम आँक रहा है।
- प्रयासों की संख्या सीमित है और यह इस परीक्षा की सबसे कठोर शर्त है: सामान्य अभ्यर्थी को छह प्रयास मिलते हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए प्रयासों की कोई सीमा नहीं है, और अन्य पिछड़ा वर्ग तथा दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को अधिक प्रयास मिलते हैं। इसलिए पहला प्रयास कब करना है, यह स्वयं एक निर्णय है।
- यह पृष्ठ परीक्षा सूचना संख्या 05/2026-सी.एस.ई., दिनांक 4 फरवरी 2026 से लिखा गया है, जिसमें ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 फरवरी 2026 थी और सभी सेवाओं को मिलाकर लगभग 933 रिक्तियाँ अपेक्षित बताई गई थीं (जिनमें 33 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित)। सेवा-वार रिक्तियाँ विज्ञापन में अलग से नहीं दी जातीं; वे प्रतिवर्ष बदलती हैं। नया विज्ञापन आने पर तिथियाँ, रिक्तियाँ और आयु की गणना-तिथि उसी से लें।

5 कहाँ से पढ़ें

ऑनलाइन

- UPSC — examination notices, syllabus and previous question papers — अखिल भारतीय (https://www.upsc.gov.in/)
- Indian Audit and Accounts Service (IA&AS) — the department's own website — अखिल भारतीय (https://cag.gov.in/)
- Economic Survey and Budget documents — core reading for the Main examination — अखिल भारतीय (https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/)

फ़ीस

इस राह की पढ़ाई की अलग से कोई लागत नहीं — योग्यता किसी भी विषय में स्नातक है, जो राजकीय महाविद्यालय में बहुत कम शुल्क पर हो जाता है। सिविल सेवा परीक्षा का शुल्क बहुत कम है और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला तथा दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए नहीं लगता। कोचिंग अनिवार्य नहीं है, और राजस्थान की मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना पात्र विद्यार्थियों को वह निःशुल्क देती है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free UPSC coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- National Scholarship Portal — central and state scholarships for graduation (https://scholarships.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय तथा देश भर के महालेखाकार कार्यालय। यह अखिल भारतीय सेवा है, इसलिए स्थानांतरण देश में कहीं भी हो सकता है।

कार्य-संस्कृति

काम केंद्र, राज्यों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के खातों की लेखा परीक्षा; निष्पादन लेखा परीक्षा, जिसमें यह देखा जाता है कि योजना ने अपना उद्देश्य पाया या नहीं; और संसद तथा विधानसभाओं के लिए रिपोर्ट तैयार करना का है। कार्यालय-समय नियमित रहता है, पर संसद के सत्र, बजट अथवा निरीक्षण के समय व्यस्तता बढ़ जाती है। निर्णय आपके हस्ताक्षर से होते हैं और उनका अभिलेख रहता है।

कौन नौकरी देता है

- भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय तथा देश भर के महालेखाकार कार्यालय

माँग (2026)

सिविल सेवा परीक्षा में सभी तेईस सेवाओं को मिलाकर 2026 में लगभग 933 रिक्तियाँ अपेक्षित थीं, और इस सेवा का हिस्सा उसमें छोटा रहता है। प्रतियोगिता देश भर से होती है और लाखों अभ्यर्थी बैठते हैं, इसलिए यह लंबी तैयारी वाला लक्ष्य है। पर एक बात ध्यान रखें: तैयारी साझा है। जो विद्यार्थी इसे लक्ष्य बनाए, वही तैयारी उसे राजस्थान लोक सेवा आयोग की आर.ए.एस. परीक्षा, एस.एस.सी. सी.जी.एल. और बैंकिंग की परीक्षाओं में भी काम आती है — और उनमें पद कहीं अधिक हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कनिष्ठ समय-मान (जूनियर टाइम स्केल) — प्रवेश-स्तर, वेतन स्तर 10, मूल वेतन ₹56,100
2. वरिष्ठ समय-मान (सीनियर टाइम स्केल)

3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड एवं चयन ग्रेड
4. वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड — भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) का कार्यालय के वरिष्ठ पद

कमाई

शुरुआत	₹56,100 प्रति माह (वेतन स्तर 10, मूल वेतन), भत्तों को छोड़कर
मध्य स्तर	₹1,18,500 – ₹1,44,200 प्रति माह (मूल वेतन, वरिष्ठ एवं प्रशासनिक ग्रेडों में)
वरिष्ठ स्तर	₹2,00,000 से अधिक (मूल वेतन, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड एवं उससे ऊपर)

आरंभिक वेतन सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स के स्तर 10 का है — ₹56,100 मूल वेतन, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रवेश-स्तर के बराबर है। सभी समूह 'क' सेवाओं का प्रवेश-वेतन एक ही होता है; अंतर काम में और पदोन्नति की गति में होता है, आरंभिक वेतन में नहीं। इस पर महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और परिवहन भत्ता अलग से मिलते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि काफ़ी अधिक होती है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें लागू होने पर ये आँकड़े बदलेंगे।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- किसी भी विषय में स्नातक पर्याप्त है — कला, वाणिज्य, विज्ञान, कृषि, किसी भी धारा का विद्यार्थी पात्र है
- प्रवेश-वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के बराबर — ₹56,100 मूल, वेतन स्तर 10
- कैग किसी मंत्रालय के अधीन नहीं है और संसद के प्रति उत्तरदायी है — काम में स्वतंत्रता असामान्य रूप से अधिक है
- एक ही परीक्षा से तेईस सेवाएँ खुलती हैं, इसलिए एक तैयारी के कई परिणाम संभव हैं
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए प्रयासों की कोई सीमा नहीं

चुनौतियाँ

- प्रतियोगिता देश की सबसे कठिन प्रतियोगिताओं में है — सभी सेवाओं को मिलाकर लगभग 933 पदों के लिए लाखों अभ्यर्थी
- सामान्य अभ्यर्थी को केवल छह प्रयास मिलते हैं, और आयु-सीमा 32 वर्ष है
- आप इस सेवा को सीधे नहीं चुन सकते — वह मेधा-क्रम और वरीयता से मिलती है, इसलिए परिणाम पूरी तरह आपके हाथ में नहीं
- काम मुख्यतः खातों, अभिलेखों और रिपोर्टों का है; ज़िले के प्रशासन जैसी सार्वजनिक भूमिका इसमें नहीं मिलती
- यह अखिल भारतीय सेवा है — स्थानांतरण देश में कहीं भी हो सकता है, घर से बहुत दूर भी

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- भारतीय राजस्व सेवा
- भारतीय पुलिस सेवा
- भारतीय विदेश सेवा

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कैग — भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक — https://cag.gov.in/

2. राष्ट्रीय लेखा परीक्षा एवं लेखा अकादमी, शिमला — इस सेवा की प्रशिक्षण अकादमी — https://cag.gov.in/naaa/en

3. संघ लोक सेवा आयोग — परीक्षा सूचनाएँ एवं पाठ्यक्रम — https://www.upsc.gov.in/

4. परीक्षा सूचना संख्या 05/2026-सी.एस.ई. — इस पृष्ठ का स्रोत — https://www.upsc.gov.in/sites/default/files/Notif-CSP-2026-Engl-060226Rev.pdf